पुराणिक हिंदू धर्म तथा ईश्वरवादी भक्ति परंपराओं के उद्‌भव का विश्लेषण कीजिए। वैष्णव, शैव एवं शाक्त संप्रदायों ने एक साझा ब्राह्मणिक ढाँचे के अंतर्गत अपनी विशिष्ट पहचान किस प्रकार विकसित की ?

7. Evaluate the literary and technical works produced in Sanskrit, Prakrit and Tamil during the period c. 300 BCE to 1000 CE. What do these texts reveal about the cultural and intellectual life of their times ? 22.5

लगभग 300 ईसा पूर्व से 1000 ईस्वी के मध्य संस्कृत, प्राकृत एवं तमिल भाषाओं में रचित साहित्यिक एवं तकनीकी ग्रंथों का मूल्यांकन कीजिए। ये ग्रंथ अपने समय के सांस्कृतिक एवं बौद्धिक जीवन के विषय में क्या उद्घाटित करते हैं ?

8. Write short notes on any **two** of the following : 22.5

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(i) Untouchability in early Indian society
प्रारंभिक भारतीय समाज में अस्पृश्यता

(ii) Gandhara style of sculpture
गांधार शैली की मूर्तिकला

(iii) Vedic gods and goddesses
वैदिक देवता एवं देवियाँ

(iv) Jainism
जैन धर्म

***

[This question paper contains 4 printed pages]

Your Roll No. : .....

Sl. No. of Q. Paper : **2542-A I**

Unique Paper Code : 2313200016

Name of the Paper : Art, Society and Culture in India, c. 300 BCE to 1000 CE

Name of the Course : **B.A. (Prog.) Discipline Specific Elective (NEP : UGCF)**

Semester : VI

Time : 3 Hours ***Maximum Marks : 90***

Instructions for Candidates :

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

(a) Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
इस प्रश्न-पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत शीर्ष पर अपना रोल नंबर लिखें।

(b) Answer may be written either in **English** or in **Hindi**; but the same medium should be used throughout the paper.
इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **अंग्रेजी** या **हिंदी** किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तर एक ही भाषा में होने चाहिए।

(c) **All** questions carry equal marks.
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

(d) Attempt any **four** questions.
किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. Discuss the major characteristics of Mauryan art and architecture, with special focus on the pillars, stupas and terracotta figurines as sources of inspiration for later Indian art. 22.5

मौर्यकालीन कला एवं स्थापत्य की प्रमुख विशेषताओं का विवेचन कीजिए। विशेष रूप से स्तंभों, स्तूपों तथा टेराकोटा प्रतिमाओं पर प्रकाश डालते हुए यह स्पष्ट कीजिए कि वे उत्तरवर्ती भारतीय कला के लिए किस प्रकार प्रेरणास्रोत सिद्ध हुए।

2. Examine the development of stupa architecture from its early Mauryan form to the elaborate gateways and relief panels at Sanchi. What does Sanchi reveal about the relationship between art and Buddhist patronage ? 22.5

स्तूप वास्तुकला के विकास का परीक्षण कीजिए – उसके प्रारंभिक मौर्य स्वरूप से लेकर साँची में विकसित भव्य तोरणों एवं उत्कीर्ण चित्रफलक तक। साँची बौद्ध संरक्षण तथा कला के परस्पर संबंध के विषय में क्या संकेत देता है ?

3. Explain the concept of "Varnasamkara" and its significance in understanding the crystallization of caste hierarchies in early India. How did brahmanical texts attempt to regulate and respond to this phenomenon ? 22.5

''वर्णसंकर'' की संकल्पना का विवेचन कीजिए तथा प्रारंभिक भारत में जाति–व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण को समझने में इसकी क्या प्रासंगिकता है ? ब्राह्मणिक ग्रंथों ने इस स्थिति को नियंत्रित एवं विनियमित करने हेतु क्या प्रयास किए ?

4. Critically examine the position of women in early Indian societies as reflected in legal texts, literary sources and archaeological evidence. 22.5

प्रारंभिक भारतीय समाज में महिलाओं की स्थिति का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए, जैसा कि विधिक ग्रंथों, साहित्यिक स्रोतों तथा पुरातात्विक साक्ष्यों में परिलक्षित होता है।

5. Examine the renunciatory tradition in early Indian religion with special reference to Buddhism. How did the development of Hinayana and Mahayana traditions reflect broader changes in society and political economy ? 22.5

प्रारंभिक भारतीय धर्म में संन्यास परंपरा का परीक्षण कीजिए, विशेष रूप से बौद्ध धर्म के संदर्भ में। हीनयान एवं महायान परंपराओं का विकास व्यापक सामाजिक तथा राजनीतिक–आर्थिक परिवर्तनों को किस प्रकार प्रतिबिंबित करता है ?

6. Analyze the emergence of Puranic Hinduism and theistic devotional traditions. How did Vaishnavism, Shaivism and Shaktism develop distinct identities while drawing on a shared brahmanical framework ? 22.5